भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-*1217*
उत्तर देने की तारीख-11/12/2023

क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देना

†***1217* श्री वी. के. श्रीकंदनः**

क्या **शिक्षा**

(क) क्या यह सच है कि सरकार क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने में शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा और शैक्षिक सामग्री के अनुवाद में इसकी भूमिका सहित प्रौद्योगिकी के एकीकरण पर जोर दे रही है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या यह भी सच है कि देश की भाषाओं में निहित पारिस्थितिकी तंत्र से वर्तमान शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में निर्बाध संक्रमण की सुविधा प्रदान करने हेतु निर्देश दिए गए हैं; और
(घ) क्या यह सच है कि भारतीय भाषाओं और प्रौद्योगिकी का मिश्रण देश के प्रतिभा भंडार के लिए असीमित संभावनाओं के द्वार खोलेगा?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुभाष सरकार)

(क) (ख): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 बहुभाषावाद को बढ़ावा देने और भारतीय भाषाओं को जीवंत बनाए रखने के प्रयासों पर बहुत जोर देती है। एनईपी, जहां भी संभव हो, कम से कम कक्षा 5 तक और अधिमानतःकक्षा 8 तक शिक्षा का माध्यम घरेलू भाषा/मातृभाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में होने का प्रावधान करती है। यह नीति घरेलू भाषा/मातृभाषा में उच्च गुणवत्ता वाली पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराने और शिक्षकों को शिक्षण के दौरान द्विभाषी दृष्टिकोण का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने का भी प्रावधान करती है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए सरकार भारतीय भाषाओं में पठन सामग्री प्रदान करके स्कूल और उच्च शिक्षा स्तरों पर बहुभाषावाद को एकीकृत कर रही है ताकि छात्रों के पास अपनी मातृभाषा/स्थानीय भाषा में अध्ययन करने का विकल्प हो। एनईपी सभी अनुसूचित और गैर-अनुसूचित भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी के एकीकरण की सिफारिश करती है। भारतीय भाषाओं के माध्यम से शिक्षा को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई)

8 में उल्लिखित भारतीय भाषाओं को अन्य मौजूदा विकल्पों के अलावा एक वैकल्पिक माध्यम के रूप में मूलभूत चरण से माध्यमिक चरण के अंत तक यानी पूर्व-प्राथमिक कक्षाओं से बारहवीं कक्षा तक शिक्षा के माध्यम के रूप में उपयोग करने पर विचार करें।

(ग) और (घ): राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) एक भाषा संगम कार्यक्रम और एक मशीनी अनुवाद कक्ष चला रही है। भाषा संगम कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षार्थियों को 22 भाषाओं की मूल बातें सीखने के लिए प्रोत्साहित करके भाषा अधिगम को बढ़ाना है। इस प्रयास को भाषा अधिगम को बढ़ावा देने और शैक्षिक प्रणाली के माध्यम से विविध संस्कृति की गहरी सराहना को ज़ोर देने में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। बच्चे की मूल भाषा में शिक्षा के प्रसार को सुविधाजनक बनाने के लिए, एनसीईआरटी ने एक अनुवाद कक्ष की स्थापना की है जो विभिन्न पुस्तकों का अनुसूचित भाषाओं में अनुवाद कर रहा है। पाठ्य पुस्तकों और शिक्षण संसाधनों सहित पाठ्यक्रम सामग्री 33 भारतीय भाषाओं में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग (दीक्षा) पोर्टल पर उपलब्ध है।अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की पुस्तकों और इंजीनियरिंग और कानून जैसी तकनीकी पुस्तकों का कई भारतीय भाषाओं में अनुवाद करने के लिए अनुवादिनी ऐप का लाभ उठाया है।अनुवादित पुस्तकें ई कुंभ पोर्टल पर उपलब्ध हैं। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 13 भाषाओं में आयोजित की गई है। संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) अब 13 भाषाओं में आयोजित की जाती है। कुछ (एआईसीटीई) अनुमोदित संस्थानों में 8 क्षेत्रीय भाषाओं में तकनीकी शिक्षा प्रदान की जा रही है। शिक्षा मंत्रालय के तहत केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल), मैसूरु, भाषा कॉर्पोरा के विकास और भाषा प्रश्न आइटम पुनर्प्राप्ति के लिए भारतीय भाषाओं के भाषाई डेटा कंसोर्टियम (एलडीसी-आईएल), राष्ट्रीय परीक्षण सेवा (एनटीएस) और भारतवाणी योजना जैसी अपनी परियोजनाओं में प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है।

एआईसीटीई प्रौद्योगिकी के एकीकरण को भी बढ़ावा दे रहा है जो शिक्षण और अधिगम की प्रक्रिया को प्रभावी बनाता है। इसने तकनीकी पुस्तक लेखन योजना शुरू की है जिसके तहत अंग्रेजी भाषा में तकनीकी शिक्षा की वर्तमान प्रणाली से सभी 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं में निर्बाध परिवर्तन की सुविधा के लिए तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में नवीनतम विकास के अनुसार मूल पुस्तकें प्रकाशित की जाती हैं। भारतीय भाषाओं में पठन सामग्री की उपलब्धता से छात्रों को अपनी भाषा में अध्ययन करने का विकल्प मिलेगा।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने ओपन सोर्स में 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं के लिए भाषण और पाठ अनुवाद के लिए मुख्य भाषा प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए वर्ष 2022 में मिशन डिजिटल इंडिया भाषिनी लॉन्च किया है।वर्तमान में, 290 पूर्व प्रशिक्षित एआई संचालित भाषा मॉडल को टेक्स्ट से टेक्स्ट अनुवाद के लिए 22 अनुसूचित भाषाओं में और वॉयस से वॉयस अनुवाद, ट्रांसक्रिप्शन और श्रुतलेख के लिए 10 भारतीय अनुसूचित भाषाओं और अंग्रेजी में उपलब्ध कराया गया है।पाठ और ध्वनि में भाषा अनुवाद के लिए भाषिनी ओपन एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफ़ेस (एपीआई) को एपीआई सेतु (http://apisetu.gov.in) में सूचीबद्ध किया गया है। भाषिनी एपीआई किसी भी एप्लिकेशन के साथ एकीकृत करने के लिए सभी के लिए उपलब्ध हैं। एएसआर (ऑटोमैटिक स्पीच रिकग्निशन) के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल का उपयोग भारतीय भाषाओं में ध्वनि खोज के लिए किया जा सकता है। सर्च इंजन में यूनिकोड सपोर्ट भारतीय भाषाओं में सर्च करने में मदद करता है। सभी 22 अनुसूची भाषाओं को यूनिकोड मानक में दर्शाया गया है, और भारतीय भाषाओं में खोज की सुविधा मिलती है।

*****